

वस्तु को पार करना (जो अनुचित माना जाता है) 3. नर पशु का मादा के साथ संभोग।

**लॉघना उड़ी स्त्री.** (देश.) मालखंभ की एक प्रकार की कसरत, व्यायाम।

**लॉच स्त्री.** (देश.) घूस, रिश्वत, उत्कोच (महाराष्ट्र में प्रसिद्ध)

**लॉची पुं.** [तद्. > लाज] एक प्रकार का धान।

**लॉछन पुं.** (तत्.) 1. किसी प्रकार का चिह्न, निशान 2. दाग, धब्बा 3. किसी गलत कार्य या आचरण से चरित्र पर लगने वाला धब्बा, कलंक।

**लॉछना स्त्री.** (तद्.) लॉछन।

**लॉछित वि.** (तत्.) 1. जिस पर कोई चारित्रिक लॉछन लगा हो, कलंकित 2. दोषयुक्त 3. अलंकृत 4. चिह्नित।

**लॉझ स्त्री.** (देश.) विघ्न, बाधा।

**लॉड़ पुं.** (देश.) शिशु।

**लॉबा वि.** (देश.) लंबा।

**ला स्त्री.** (तत्.) लेने या देने की क्रिया **क्रि.वि.** (अर.) न, नहीं, जैसे- लाइलाज (असाध्य) पुं. (अं.) 1. कानून, विधि 2. नियम 3. सिद्धांत।

**लाइ पुं.** (देश.) अग्नि, आग **स्त्री.** लगन, प्रेम की लगन।

**लाइक वि.** (अर.) लायक, समझदार, योग्य।

**लाइची स्त्री.** (देश.) इलायची।

**लाइट स्त्री.** (अं.) 1. रोशनी, प्रकाश, ज्योति 2. बत्ती 3. लाक्ष. बिजली।

**लाइट हाउस पुं.** (अं.) जहाज को चट्टान से टकराने से बचाने के लिए बनाया गया स्तंभ जिस पर तेज प्रकाश की व्यवस्था रहती है, प्रकाश स्तंभ, प्रकाश गृह।

**लाइन स्त्री.** (अं.) 1. पंक्ति, कतार 2. रेखा, लकीर 3. रेल की पटरी 4. बारीक 5. पेशा, व्यवसाय 6. पुलिस आवास।

**लाइब्रेरियन पुं.** (अं.) पुस्तकाध्यक्ष।

**लाइब्रेरी स्त्री.** (अं.) पुस्तकालय।

**लाइसेंस पुं.** (अं.) 1. किसी विशेष कार्य करने के लिए दिया जाने वाला अनुज्ञापत्र, अधिकार पत्र 2. अनुज्ञा।

**लाई स्त्री.** (तद्.) 1. धान आदि की खीलें 2. इधर की बात उधर लगाना, चुगली 3. वैशाख मास में फसल की कटाई 4. रेशमी कपड़ा 5. ऊनी चादर, **स.क्रि.** लाना क्रिया का एक भूतकालिक रूप (अं.) झूठ।

**लाई-लूतरी स्त्री.** (देश.) 1. चुगली 2. शिकायत **वि.** एक की दृष्टि में दूसरे को तुच्छ या हीन सिद्ध करने वाली।

**लाउड-स्पीकर पुं.** (अं.) बिजली से चलने वाला एक प्रसिद्ध यंत्र जिसके द्वारा आवाज को इच्छानुसार मंद या तेज करके दूर तक प्रेषित किया जा सकता है।

**लाऊ पुं.** (देश.) घिया, लौकी।

**लाकड़ा पुं.** (देश.) लकड़ा, लकड़ी **स्त्री.** लकड़ी।

**लाकुटिक वि.** (तत्.) लकुट या डंडा धारण करने वाला पुं. पहरेदार, सेवक।

**लॉकेट पुं.** (अं.) 1. एक प्रकार का आभूषण जो जंजीर आदि में शोभा के लिए लगाया जाता है, लटकन 2. गले में पहने जाने वाली माला जिसमें लटकन भी हो।

**लाक्षण वि.** (तत्.) लक्षण-संबंधी, लक्षण का।

**लाक्षणिक वि.** (तत्.) 1. लक्षण संबंधी 2. जिससे लक्षण प्रकट हों 3. लक्षणयुक्त काव्य. जो शब्द की लक्षणा शक्ति पर आश्रित हो या उससे संबंध हो पुं. ज्यो. सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार लक्षणों का ज्ञाता।

**लाक्षण्य वि.** (तत्.) 1. लक्षण संबंधी 2. लक्षणों का ज्ञाता।

**लाक्षा स्त्री.** (तत्.) 1. लाख नामक लाल पदार्थ जिसे कुछ वृक्षों पर कीड़े बनाते हैं 2. पीपल,